माइनस पांच डिग्री तापमान में सिटी के ड्राइवर्स ने दिखाया दम, दर्ज की जीत

रेड द हिमालयन रैली में शीर्ष मोटर स्पोर्ट्स ड्राइवर्स हुए शामिल, शरीर को जमा देने वाली ठंड में भी नहीं छूटा स्टेयरिंग से हाथ

संजीव पंगोत्रा

चंडीगढ़। मोटर स्पोर्ट्स की सबसे कठिन रेड द हिमालयन रैली में सिटी के ड्राइवर्स ने माइनस 5 डिग्री में अपना जलवा दिखाते हुए विजेता ट्राफियां जीतने में कामयाबी पाई। चंडीगढ़ के हरप्रीत बावा ने टी-1 कैटेगरी जिप्सी वर्ग में विजेता ट्राफी जीती। प्रदीप गुप्ता कार वर्ग में विनर रहे।

वहीं दो सगी बहनें मनु राणा और पूनम राणा ने महिला वर्ग की विजेता ट्राफी पर कब्जा जमाया। रेड द हिमालय रैली 10 अक्तूबर से लेह लद्दाख से शुरू हुई और

कड़ाके की ठंड और न्यूनतम तापमान

कार वर्ग में ग्रैंड विटारा में सवार होकर जीत हासिल करने वाले प्रदीप गुप्ता ने बताया कारगिल से लेकर द्रास तक का सफर काफी चैलेंजिंग रहा। कड़ाके की ठंड और माइनस 5 डिग्री तापमान में गाड़ी चलाना काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

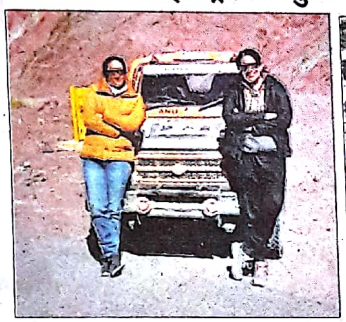

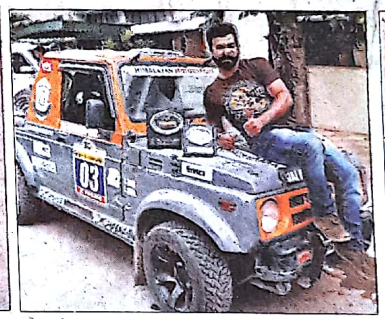

विभिन्न रास्तों से होते हुए 13 अक्तूबर को वापस लेह जाकर खत्म हुई। रैली में हिस्सा लेने वाले ड्राइवर्स ने करीब 27 हजार किलोमीटर का रास्ता तय किया। रैली में देश ही नहीं विदेशों से मोटर स्पोर्ट्स के बेहतरीन प्रतिभागियों ने जिप्सी, कार, मोटरसाइकिल इवेंट में शिरकत की। इस रैली की खास बात यह रही कि इस बार नए रूटों को रखा गया था। इन रूटों पर होते हुए ड्राइवर्स ने अपनी जीत की नींव रखी। **बहनों ने दिखाया दमः** अनु राणा और पूनम राणा दोनों बहनें हैं। इन्होंने महिला वर्ग में ट्राफी जीती। दोनों चार साल से मोटर स्पोर्ट्स के इवेंट में एक साथ हिस्सा ले रही हैं। अनु राणा ने बताया कि रेड द हिमालयन रैली में हर दिन एक नया चैलेंज लेकर आता था। जिसे काफी समझदारी से पूरा किया। रैली काफी चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन हम दोनों ने किसी भी मोड़ पर हिम्मत नहीं हारी और विजेता ट्राफी को जीतने के बाद ही दम लिया।

रेड द हिमालयन रैली के महिला वर्ग में विजेता बनीं अनु राणा और पूनम राणा। अमर उजाला

हरप्रीत सिंह ने रेड द हिमालयन मोट्र्स स्पोर्ट्स रेस में जीत हासिल की है। अमर उजाला

ऊंची चट्टानों पर गाड़ी चलाना आसान नहीं

हरजी मोटर टीम के हरप्रीत बावा जिप्सी टी-1 की कैटेगरी 1600 सीसी के विजेता बने। बावा ने बताया कि रेड द हिमालय रैली में 13 हजार फुट ऊंचाई पर गाड़ी चलाना आसान नहीं होता। खासकर जब ऊंची चट्टानों पर अचानक घुमावदार मोड़ सामने आ जाते हैं।

रेड द हिमालयन रैली के कार वर्ग में विजेता प्रदीप गुप्ता।

Publication: Amar Ujala
Date: 19-10-2018
Edition: Chandigarh
Page No. 6